

(ع.ر.س. 3 س.ع.ر.س. 4 و ر.ع.ر.س. د.ع.ر.س.)

رَبِّهِمْ ذُكِّرُوا: 5610 مَرْجُو

2025 08:08

دکتر دز سرتی: سپهر ارم از در سوخته کج و از زبانه

(IUL)459-HR/1/2025/202

[illegible][illegible]

13.07.2025

١٥٠٠ ١٤٠٠ ١٣٠٠ ١٢٠٠ ١١٠٠ ١٠٠٠ ٩٠٠ ٨٠٠ ٧٠٠ ٦٠٠ ٥٠٠ ٤٠٠ ٣٠٠ ٢٠٠ ١٠٠ ٠